बी. ए. प्रथम वर्ष प्रमाण पत्र कोर्स
प्रश्न-पत्र द्वितीय - सैद्धांतिक

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बी. ए. प्रथम वर्ष	वर्ष: 2021	सत्र: 2021-22
विषय: भरतनाट्यम			
1	पाठ्यक्रम का कोड	**A1-DBNA1T** (1T)	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	ताल ज्ञान 1 (प्रश्न पत्र - 2) (1)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने कक्षा 12वीं पास किया हो। (सभी संकाय के छात्र एवं छात्राएं)	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	भरतनाट्यम् शास्त्रीय नृत्य, दक्षिण भारत की सांस्कृतिक समृद्धशाली परम्परा का विशेष अंग है। यह प्राचीन नृत्य कला मन्दिरों में पुष्पित, पल्लवित हुई है। जो राजाओं और राज्यों के संरक्षण में समृद्ध होकर वैशिविक पटल पर स्थापित हुई है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारत की प्राचीन संस्कृति से अवगत करा कर गौरव प्रदान करेगा। इस पाठ्यक्रम से उनका बौद्धिक और शारीरिक समग्र विकास होगा। • दक्षिण भारतीय ताल पद्दती का सामान्य परिचय। • तकनीकी शब्दों का परिचय। • ताल लिपि में लिखने की क्षमता।	
6	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक – 02	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:

कुल व्याख्यान – 30 (प्रति व्याख्यान 01 घंटा)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I.	ताल परिचय - • ताल की परिभाषा एवं परिचय। • दक्षिण भारतीय ताल पद्धति के सप्त तालों का अंगों एवं चिन्हों सहित अध्ययन।	10
II.	ताल विवरण - • चापु ताल के विभिन्न प्रकारों का ज्ञान। • ताल संबंधी तकनीकी शब्दों की परिभाषा - लय, जाति, अंग, ग्रह, आवर्तन।	10
III.	तल लिपि - • निम्नलिखित अडवुओं को लिपिबद्ध करने की क्षमता - 4 तट्ट अडवु, नाट्ट अडवु, परवल अडवु, कुदित्तुमेट्टि अडवु। • अलारिपु को लिपिबद्ध करने की क्षमता।	10

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:-

27.5.2021

(डॉ. भगवानदास माणिक)

1. गैरोला वाचस्पति - भारतीय नाट्य परंपरा और अभिनय दर्पण।
2. दाधीच डॉ. पुरू – भरतनाट्यम शिक्षा भाग – 1
3. होंबल पी. मेदिनी – वैश्विक नृत्य व नाट्य ।
4. Understanding Bharatanatyam – Mrinalini Sarabhai
5. Bharat Natya and Other Dances of Tamil Nad – E. Krishna Iyer
6. दाधीच डॉ. पुरू – कथक नृत्य शिक्षा भाग – 1
7. माणिक भगवान दास – कथक मध्यमा ।
8. The Dances in India – Enakshi Bhavanani
9. Classical Dances – Sonal Mansingh
10. Invitation to Indian Dances – Susheela Mishra

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):**	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 **कुल अंक :25**
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक **50** शब्द) अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक **200**शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक **500** शब्द)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 **कुल अंक 75**

कोई टिप्पणी/सुझाव:

27.5.2021

(डॉ. भगवान दास माणिक)

B.A. 1st Year - Certificate Course
Paper – IInd – Theory

Part A Introduction				
Program: Certificate		**Class: B.A. Ist Year**	**Year: 2021**	**Session: 2021-22**
Subject: Bharatanatyam				
1	**Course Code**	**A1-DBNA1T**		
2	**Course Title**	Taal Gyan 1 **(Paper -I)**		
3	**Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)**	**Core Course**		
4	**Pre-requisite (if any)**	**To study this course, a student must be 12th pass, from any stream.**		
5	**Course Learning outcomes (CLO)**	The Classical Dance Bharatanatyam is an important part of the rich cultural heritage of South India. This ancient art of dance has bloomed and blossomed in the Temples, which enriched under the patronage of the kings and kingdoms and thus established itself on the global stage. This course will teach the students the glories of Indian culture and thus enhance their pride in their own country. This course will also enhance both their physical and intellectual attitudes. • General introduction of South Indian Tala System. • Introduction of technical terms. • Ability to write Tala notations.		
6	**Credit Value**	Theory 02		
7	**Total Marks**	Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:33	

Part B- Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: Total NO. of Lectures - 30 (per class 1 hours)		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures**
I	Introduction of Tala – • Definition and introduction of Tala. • Study of the Sapta Talas of South Indian Tala System with their Angas and Symbols.	**10**
II	Detailing of Tala – • Knowledge of the different varieties of Chapu Tala. • Definition of the technical terms related to Tala – Laya, Jaati, Anga, Graha, Avartana.	**10**
III	Tala Notations – • Ability to notate the following adavus – 4 Tatta Adavu, Natta Adavu, Paraval Adavu, Kudittumetti Adavu. • Ability to write in notation Alaripu.	**10**

27.5.2021
(डॉ [illegible])

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. गैरोला वाचस्पति - भारतीय नाट्य परंपरा और अभिनय दर्पण।
2. दाधीच डॉ. पुरू – भरतनाट्यम शिक्षा भाग – 1
3. हॉंवल पी. मेदिनी – वैश्विक नृत्य व नाट्य ।
4. Sarabhai Mrinalini - Understanding Bharatanatyam.
5. Iyer E. Krishna - Bharat Natya and Other Dances of Tamil Nadu.
6. दाधीच डॉ. पुरू – कथक नृत्य शिक्षा भाग – 1
7. माणिक भगवान दास – कथक मध्यमा ।
8. Bhavanani Enakshi- The Dances in India.
9. Mansingh Sonal - Classical Dances.
10. Mishra Susheela - Invitation to Indian Dances.

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25	Class Test Assignment/Presentation	15 10
External Assessment : University Exam Section: 75 Time : 02.00 Hours	**Section(A)** : Three Very Short Questions (50 Words Each) **Section (B) :** Four Short Questions (200 Words Each) **Section (C) :** Two Long Questions (500 Words Each)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 Total 75

Any remarks/ suggestions:

27.5.2021

(डॉ. [illegible])

बी. ए. प्रथम वर्ष प्रमाण पत्र कोर्स
प्रश्न-पत्र द्वितीय – प्रायोगिक

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र		कक्षा : बी. ए. प्रथम वर्ष	वर्ष: 2021	सत्र: 2021-22
विषय: भरतनाट्यम				
1	पाठ्यक्रम का कोड	**A1-DBNA1P**		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	मौखिक प्रायोगिक (प्रश्न पत्र – 1)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स		
4	पूर्वपिक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने कक्षा 12वीं पास किया हो। (सभी संकाय के छात्र एवं छात्राएं)		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	भरतनाट्यम् शास्त्रीय नृत्य, दक्षिण भारत की सांस्कृतिक समृद्धशाली परम्परा का विशेष अंग है। यह प्राचीन नृत्य कला मन्दिरों में पुष्पित, पल्लवित हुई है। जो राजाओं और राज्यों के संरक्षण में समृद्ध होकर वैशिविक पटल पर स्थापित हुई है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारत की प्राचीन संस्कृति से अवगत करा कर गौरव प्रदान करेगा। इस पाठ्यक्रम से उनका बौद्धिक और शारीरिक समग्र विकास होगा। • सरल गीतों पर नृत्य संयोजन की क्षमता। • नृत्य संयोजन हेतु विभिन्न देवी देवताओं की भंगिमाओं का ज्ञान। • हस्तों के प्रयोग द्वारा अंगुलियें में सही सामंजस्य। • कार्यक्रम प्रदर्शन की क्षमता।		
6	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक – 04		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:

कुल व्याख्यान – 60 (प्रति व्याख्यान 02 घंटा)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I.	अलारिपु।	15
II.	अध्यापक के निर्देशानुसार विद्यार्थी द्वारा चयनित किन्हीं दो सरल गीतों पर नृत्य प्रदर्शन - भजन / देशभक्ति गीत / वन्दना (स्तुति, श्लोक)।	15
III.	प्रमुख देवी देवताओं की विभिन्न भंगिमाएँ – गणेश, कृष्ण, राम, शिव, दुर्गा, सरस्वती।	10
IV.	अभिनय दर्पण के अनुसार असंयुत हस्त के मुख्य श्लोक का प्रदर्शन।	10
V.	अलारिपु, सप्त ताल (चतुरश्र जाति में) तथा चापु तालों का ताल प्रदर्शन।	10

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:-

1. गैरोला वाचस्पति - भारतीय नाट्य परंपरा और अभिनय दर्पण।

27.5.2021
(डॉ. भगवान दास मानिक)

2. दाधीच डॉ. पुरु – भरतनाट्यम शिक्षा भाग – 1
3. होंबल पी. मेदिनी – वैश्विक नृत्य व नाट्य ।
4. Understanding Bharatanatyam – Mrinalini Sarabhai
5. Bharat Natya and Other Dances of Tamil Nad – E. Krishna Iyer
6. दाधीच डॉ. पुरु – कथक नृत्य शिक्षा भाग – 1
7. माणिक भगवान दास – कथक मध्यमा ।
8. The Dances in India – Enakshi Bhavanani
9. Classical Dances – Sonal Mansingh
10. Invitation to Indian Dances – Susheela Mishra

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

आंतरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद / प्रश्नोत्तरी	10	प्रायोगिक मौखिकी (वायवा)	15
उपस्थिति	5	प्रायोगिक रिकॉर्ड फाइल	10
असाइनमेंट (चार्ट/मॉडल/सेमिनार/ग्रामीण सेवा/प्रौद्योगिकी प्रसार/भ्रमण(कस्कर्शन) की रिपोर्ट/ सर्वेक्षण/प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट)/औद्योगिक यात्रा	10	प्रयोग – अलारिपू का प्रदर्शन, दो सरल गीतों पर नृत्य प्रदर्शन, देवी देवताओं की विभिन्न भंगिमाओं का प्रदर्शन, श्लोक प्रदर्शन।	50
कुल अंक	25		75

कोई टिप्पणी/सुझाव:

27.5.2021
(डॉ. [illegible])

B.A. 1st Year - Certificate Course
Paper – IInd - Practical

Part A Introduction

Program: Certificate	Class: B.A. Ist Year	Year: 2021	Session: 2021-22

Subject: Bharatanatyam

1	**Course Code**	**A1-DBNA1P**
2	**Course Title**	Viva - Practical **(Paper -1)**
3	**Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)**	**Core Course**
4	**Pre-requisite (if any)**	**To study this course, a student must be 12th pass, from any stream.**
5	**Course Learning outcomes (CLO)**	The Classical Dance Bharatanatyam is an important part of the rich cultural heritage of South India. This ancient art of dance has bloomed and blossomed in the Temples, which enriched under the patronage of the kings and kingdoms and thus established itself on the global stage. This course will teach the students the glories of Indian culture and thus enhance their pride in their own country. This course will also enhance both their physical and intellectual attitudes. • Ability to choreograph dance on simple songs. • Knowledge of postures of various Gods and Goddesses for dance creations. • Better compatibility of fingers with usage of hand gestures. • Ability to present a performance.
6	**Credit Value**	Theory 04
7	**Total Marks**	Max. Marks: 25+75 | Min. Passing Marks:33

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:

Total NO. of Lectures - 60 (per class 02 hours)

Unit	Topics	No. of Lectures
I.	Alaripu.	15
II.	Dance presentation on any two simple songs selected by the student under the guidance of the teacher – Bhajan/ Patriotic Song/ Vandana (Stuti, Shloka).	15
III.	Presentation of the different postures of major Gods Goddesses – Ganesh, Krishna, Ram, Shiva, Durga, Saraswati.	10
IV.	Demonstration of the main Shloka of Asamyuta Hasta according to Abhinaya Darpan.	10
V.	Tala presentation of Alaripu, the Sapta Talas in Chaturashra Jaati and the Chapu Talas.	10

Keywords/Tags:

27.5.2021

(डॉ. भगवानदास मानिक)

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. गैरोला वाचस्पति - भारतीय नाट्य परंपरा और अभिनय दर्पण।
2. दाधीच डॉ. पुरु – भरतनाट्यम शिक्षा भाग – 1
3. होंबल पी. मेदिनी – वैश्विक नृत्य व नाट्य ।
4. Sarabhai Mrinalini - Understanding Bharatanatyam.
5. Iyer E. Krishna - Bharat Natya and Other Dances of Tamil Nadu.
6. दाधीच डॉ. पुरु – कथक नृत्य शिक्षा भाग – 1
7. माणिक भगवान दास – कथक मध्यमा ।
8. Bhavanani Enakshi - The Dances in India.
9. Mansingh Sonal - Classical Dances.
10. Mishra Susheela - Invitation to Indian Dances.

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
Class Interaction /Quiz	10	Viva Voce on Practical	15
Attendance	5	Practical Record File	10
Assignments (Charts/ Model Seminar / Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey / Industrial visit)	10	Experiments - Presentation of Alaripu, Presentation of dance on two simple songs, Presentation of different postures of Gods Goddesses, Presentation of Shlokas, Taal Presentation of Alaripu and various Taals.	50
TOTAL	25		75

Any remarks/ suggestions:

27.5.2021
(डॉ. [illegible])

बी. ए. प्रथम वर्ष प्रमाण पत्र कोर्स

प्रश्न-पत्र प्रथम - सैद्धांतिक

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बी. ए. प्रथम वर्ष	वर्ष: 2021	सत्र: 2021-22
विषय: भरतनाट्यम			
1	पाठ्यक्रम का कोड	**A1-DBNAQT**	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भरतनाट्यम नृत्य का सामान्य परिचय (प्रश्न पत्र – 2)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने कक्षा 12वीं पास किया हो। (सभी संकाय के छात्र एवं छात्राएं)	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	भरतनाट्यम् शास्त्रीय नृत्य, दक्षिण भारत की सांस्कृतिक समृद्धशाली परम्परा का विशेष अंग है। यह प्राचीन नृत्य कला मन्दिरों में पुष्पित, पल्लवित हुई है। जो राजाओं और राज्यों के संरक्षण में समृद्ध होकर वैशिविक पटल पर स्थापित हुई है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारत की प्राचीन संस्कृति से अवगत करा कर गौरव प्रदान करेगा। इस पाठ्यक्रम से उनका बौद्धिक और शारीरिक समग्र विकास होगा। · भारतीय प्राचीन संस्कृति से अवगत होना। · संस्कृत में श्लोकों को लिखने की क्षमता। · नृत्य के प्रतीकात्मक हस्तों का ज्ञान। · अलौकिक नर्तक नटराज का ज्ञान।	
6	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक – 02	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:

कुल व्याख्यान - 30 (प्रति व्याख्यान 01 घंटा)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I.	शास्त्रीय नृत्य का परिचय - • नृत्यकला का सामान्य परिचय। • भरतनाट्यम् नृत्य का सामान्य परिचय। • भारत के अन्य 8 प्रमुख शास्त्रीय नृत्यों के नाम, उनसे संबंधित प्रान्त तथा हर विधा के प्रमुख दो कलाकारों के नामों का ज्ञान।	10
II.	अभिनय दर्पण - • अभिनय दर्पण के अनुसार निम्न मुख्य श्लोकों का ज्ञान – नमस्क्रिया/ध्यान श्लोक (अर्थ सहित), शिरोभेद, दृष्टि भेद, ग्रीवाभेद • अभिनय दर्पण के अनुसार असंयुत हस्त (श्लोक सहित)	10
III.	भरतनाट्यम् के आधारभूत तत्व - • नटराज - नृत्य के अधिष्ठाता देवता का विवरण। • तकनीकी शब्दों का परिचय - अरमण्डी, मुळमण्डी, सम, अलारिपु।	10

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:

27.5.2021
(डॉ. [illegible])

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:-

1. गैरोला वाचस्पति - भारतीय नाट्य परंपरा और अभिनय दर्पण।
2. दाधीच डॉ. पुरु – भरतनाट्यम शिक्षा भाग – 1
3. होंवल पी. मेदिनी – वैश्विक नृत्य व नाट्य ।
4. Understanding Bharatanatyam – Mrinalini Sarabhai
5. Bharat Natya and Other Dances of Tamil Nad – E. Krishna Iyer
6. दाधीच डॉ. पुरु – कथक नृत्य शिक्षा भाग – 1
7. माणिक भगवान दास – कथक मध्यमा ।
8. The Dances in India – Enakshi Bhavanani
9. Classical Dances – Sonal Mansingh
10. Invitation to Indian Dances – Susheela Mishra

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 **कुल अंक :25**
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 **कुल अंक 75**

कोई टिप्पणी/सुझाव:

27.5.2024

(डॉ. [illegible])

B.A. 1st Year - Certificate Course

Paper – Ist – Theory

Part A Introduction

Program: Certificate	Class: B.A. 1st Year	Year: 2021	Session: 2021-22

Subject: Bharatanatyam

1	**Course Code**	**A1-DBNA2T**
2	**Course Title**	General Intoduction of Bharatanatyam Dance **(Paper 2)**
3	**Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)**	**Core Course**
4	**Pre-requisite (if any)**	**To study this course, a student must be 12th pass, from any stream.**
5	**Course Learning outcomes (CLO)**	The Classical Dance Bharatanatyam is an important part of the rich cultural heritage of South India. This ancient art of dance has bloomed and blossomed in the Temples, which enriched under the patronage of the kings and kingdoms and thus established itself on the global stage. This course will teach the students the glories of Indian culture and thus enhance their pride in their own country. This course will also enhance both their physical and intellectual attitudes. • Introduction to ancient Indian culture. • Ability to write Shlokas in Sanskrit. • Knowledge of symbolic hand gestures. • Knowledge of heavenly dancer Nataraj.
6	**Credit Value**	Theory 02
7	**Total Marks**	Max. Marks: 25+75 — Min. Passing Marks:33

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:

Total NO. of Lectures – 30 (per class 1 hours)

Unit	Topics	No. of Lectures
I	Introduction of Classical Dance – i) General introduction of the art of Dance. ii) General introduction of Bharatanatyam Classical Dance. iii) Knowledge of the other 8 major Classical Dances of India along with their concerned states and names of two artists of each dance style.	10
II.	Abhinaya Darpan- i) Knowledge of the following Shlokas according to Abhinaya Darpan – a) Namaskriya/ Dhyan Shloka (with meaning), b) Shiro Bheda, c) Drishti Bheda, d) Greeva Bheda ii) Asamyuta Hasta with Shloka according Abhinaya Darpan.	10

27.5.2021

(डॉ. भगवान दास मानिक)

III.	Basic elements of Bharatanatyam – i) Description of the presiding deity of Dance – Nataraj. ii) Introduction of technical terms – Aramandi, Muzhumandi, Sama, Alaripu.	10

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. गैरोला वाचस्पति - भारतीय नाट्य परंपरा और अभिनय दर्पण।
2. दाधीच डॉ. पुरू – भरतनाट्यम शिक्षा भाग – 1
3. होंबल पी. मेदिनी – वैश्विक नृत्य व नाट्य ।
4. Sarabhai Mrinalini - Understanding Bharatanatyam.
5. Iyer E. Krishna - Bharat Natya and Other Dances of Tamil Nadu.
6. दाधीच डॉ. पुरू – कथक नृत्य शिक्षा भाग – 1
7. माणिक भगवान दास – कथक मध्यमा ।
8. Bhavanani Enakshi - The Dances in India.
9. Mansingh Sonal - Classical Dances.
10. Mishra Susheela - Invitation to Indian Dances.

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25	Class Test Assignment/Presentation	15 10
External Assessment : University Exam Section: 75 Time : 02.00 Hours	**Section(A)** : Three Very Short Questions (50 Words Each) **Section (B) :** Four Short Questions (200 Words Each) **Section (C) :** Two Long Questions (500 Words Each)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 Total 75

Any remarks/ suggestions:

27.5.2021

(डॉ. [illegible])

बी. ए. प्रथम वर्ष प्रमाण पत्र कोर्स

प्रश्न-पत्र प्रथम – प्रायोगिक

भाग अ - परिचय

कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बी. ए. प्रथम वर्ष	वर्ष: 2021	सत्र: 2021-22

विषय: भरतनाट्यम

1	पाठ्यक्रम का कोड	**A1-DBNA2P**
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रायोगिक प्रदर्शन (प्रश्न पत्र – 2)
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने कक्षा 12वीं पास किया हो। (सभी संकाय के छात्र एवं छात्राएं)
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	भरतनाट्यम् शास्त्रीय नृत्य, दक्षिण भारत की सांस्कृतिक समृद्धशाली परम्परा का विशेष अंग है। यह प्राचीन नृत्य कला मन्दिरों में पुष्पित, पल्लवित हुई है। जो राजाओं और राज्यों के संरक्षण में समृद्ध होकर वैशिविक पटल पर स्थापित हुई है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारत की प्राचीन संस्कृति से अवगत करा कर गौरव प्रदान करेगा। इस पाठ्यक्रम से उनका बौद्धिक और शारीरिक समग्र विकास होगा। • शरीर के विभिन्न अवयवों का ताल लयात्मक सामंजस्य। • तालबद्ध सरल नृत्य संयोजन। • श्लोकों के अभ्यास से बौद्धिक विकास। • ताल - लय की समझ।
6	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक – 04
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75 — न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): **L-T-P:**

कुल व्याख्यान - 60 (प्रति व्याख्यान 02 घंटा)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I.	निम्न अडवुओं का तीन लयों में अभ्यास एवं प्रदर्शन क्षमता - 4 तट्टु अडवु, 4 नाट्टु अडवु, 2 परवल अडवु, 2 कुदित्तुमेट्टि अडवु, 2 पक्क अडवु, ता हत झम तरि ता अडवु, 1 तीर्मानम् अडवु (तधिंगिणतोम्), 1 मण्डी अडवु, तिश्र, चतुरश्र एवं मिश्र जातियों में तट्टुमेट्टि अडवु।	15
II.	विभिन्न अडवुओं को सरल संयोजन एवं प्रदर्शन - आदि ताल अथवा रूपक ताल में।	15
III.	जातियों के अनुसार सामान्य चारि एवं कुलुक्कु नडै के विभिन्न प्रकारों के प्रदर्शन की क्षमता।	10
IV.	अभिनय दर्पण के अनुसार निम्न मुख्य श्लोकों का प्रयोग प्रदर्शन - नमस्क्रिया /ध्यान श्लोक (अर्थ सहित), शिरोभेद, दृष्टि भेद, ग्रीवाभेद	10
V.	निम्नलिखित अडवुओं का तीनों लयों में ताल प्रदर्शन - 4 तट्टु अडवु, नाट्टु अडवु, परवल अडवु, कुदित्तुमेट्टि अडवु।	10

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:

27.5.2021

(डॉ. भगवान [illegible])

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:-

1. गैरोला वाचस्पति - भारतीय नाट्य परंपरा और अभिनय दर्पण।
2. दाधीच डॉ. पुरु – भरतनाट्यम शिक्षा भाग – 1
3. होंबल पी. मेदिनी – वैश्विक नृत्य व नाट्य ।
4. Understanding Bharatanatyam – Mrinalini Sarabhai
5. Bharat Natya and Other Dances of Tamil Nad – E. Krishna Iyer
6. दाधीच डॉ. पुरु – कथक नृत्य शिक्षा भाग – 1
7. माणिक भगवान दास –कथक मध्यमा ।
8. The Dances in India – Enakshi Bhavanani
9. Classical Dances – Sonal Mansingh
10. Invitation to Indian Dances – Susheela Mishra

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

आतंरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद / प्रश्नोत्तरी	10	प्रायोगिक मौखिकी (वायवा)	15
उपस्थिति	5	प्रायोगिक रिकॉर्ड फाइल	10
असाइनमेंट (चार्ट/मॉडल/सेमिनार/ग्रामीण सेवा/प्रौद्योगिकी प्रसार/भ्रमण(कस्कर्शन) की रिपोर्ट/ सर्वेक्षण/प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट)/औद्योगिक यात्रा	10	प्रयोग – अडवुओं का प्रदर्शन, सामान्य चारि एवं कुलुक्कु नडै का प्रदर्शन, श्लोकों का प्रदर्शन, अडवुओं का ताल प्रदर्शन।	50
कुल अंक	25		75

कोई टिप्पणी/सुझाव:

27.5.2021

(डॉ. भगवान्त [illegible])

B.A. 1st Year – Certificate Course
Paper – Ist – Practical

Part A Introduction				
Program: Certificate		**Class: B.A. Ist Year**	**Year: 2021**	**Session: 2021-22**
Subject: Bharatanatyam				
1	**Course Code**	**A1-DBNA1P**		
2	**Course Title**	Practical Presentation **(Paper -1)**		
3	**Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)**	**Core Course**		
4	**Pre-requisite (if any)**	**To study this course, a student must be 12th pass, from any stream.**		
5	**Course Learning outcomes (CLO)**	The Classical Dance Bharatanatyam is an important part of the rich cultural heritage of South India. This ancient art of dance has bloomed and blossomed in the Temples, which enriched under the patronage of the kings and kingdoms and thus established itself on the global stage. This course will teach the students the glories of Indian culture and thus enhance their pride in their own country. This course will also enhance both their physical and intellectual attitudes. • Rhythmical coordination of different body parts. • Rhythm based simple dance creations. • Intellectual enhancements through Shloka practice. • Knowledge of Tala and Laya.		
6	**Credit Value**	Theory 04		
7	**Total Marks**	Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:33	

Part B- Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: Total NO. of Lectures - 60 (per class 02 hours)		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures**
I	Ability to practice and present the following Adavus in three Layas (speed) – 4 Tatta Adavu, 4 Natta Adavu, 2 Paraval Adavu, 2 Kudittumetti Adavu, 2 Pakka Adavu, Ta hata jham tari ta Adavu, 1 Teermanam Adavu (Tadhinginatom), 1 Mandi Adavu, Tattumetti Adavu in Tishra, Chaturashra and Mishra Jaatis.	15
II.	Combination and presentation of various Adavus in Adi Tala OR Rupaka Tala.	15
III.	Ability to present the various types of simple walks – Chari and Kulukku Nadai according to Jaatis.	10
IV.	Practical demonstration of the following main Shlokas according to Abhinaya Darpan –Namaskriya/ Dhyan Shloka (with meaning), Shiro Bheda, Drishti Bheda, Greeva Bheda	10
V.	Tala presentation of the following Adavus in three Layas –4 Tatta Adavu, Natta Adavu, Paraval Adavu, Kudittumetti Adavu.	10
Keywords/Tags:		

24.5.2021
(डॉ. भगवान दास मानिकपुरी)

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. गैरोला वाचस्पति - भारतीय नाट्य परंपरा और अभिनय दर्पण।
2. दाधीच डॉ. पुरु – भरतनाट्यम शिक्षा भाग – 1
3. होंबल पी. मेदिनी – वैश्विक नृत्य व नाट्य ।
4. Sarabhai Mrinalini - Understanding Bharatanatyam.
5. Iyer E. Krishna - Bharat Natya and Other Dances of Tamil Nadu.
6. दाधीच डॉ. पुरु – कथक नृत्य शिक्षा भाग – 1
7. माणिक भगवान दास – कथक मध्यमा ।
8. Bhavanani Enakshi - The Dances in India.
9. Mansingh Sonal - Classical Dances.
10. Mishra Susheela - Invitation to Indian Dances.

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
Class Interaction /Quiz	**10**	**Viva Voce on Practical**	**15**
Attendance	**5**	**Practical Record File**	**10**
Assignments (Charts/ Model Seminar / Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey / Industrial visit)	**10**	**Experiments - Presentation of Adavus, Presentation of Adavus Combinations, Presentation of simple Chari and Kulukku Nadai, Presentation of Shlokas, Tala Presentation of Adavus**	**50**
TOTAL	**25**		**75**

Any remarks/ suggestions:

27.5.2021

(डॉ. श्यामा [illegible])